

SHRI PRAVEEN RASHTRAPAL (Gujarat): Mr. Deputy Chairman, Sir, I also associate myself with it.

SHRI MANGANI LAL MANDAL (Bihar): Mr. Deputy Chairman, Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

PROF. RAM DEO BHANDARY (Bihar): Mr. Deputy Chairman, Sir, I also associate myself with it.

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Mr. Deputy Chairman, Sir, I also associate myself with it.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we all associate ourselves with it.

### **Concern over Delay in Hearing of Cases of Prisoners**

SHRI SHATRUGHAN SINHA (Bihar): Mr. Deputy Chairman, Sir, I thank you very much. Sir, with your kind permission, first and foremost, I would like to congratulate Mrs. Sule on her maiden entry into this House, and, especially, her maiden speech. Mrs. Sule, the worthy daughter of a great father, Mr. Sharad Pawar, has really spoken very well. I support, applaud, and appreciate her.

उपसभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने सज़ा-याफ़ता कैदियों की अपील की सुनवाई के विषय पर आपने मुझे बोलने की इजाजत दी है। महोदय, एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के तिहाड़ जेल में 100 से अधिक ऐसे कैदी बंद हैं जो अपनी आधी से अधिक सज़ा काट चुके हैं। इसके बावजूद उच्च न्यायालय में उनकी अपील की सुनवाई शुरू तक नहीं हुई है। इसी जेल से पिछले दो वर्षों में कई ऐसे कैदी रिहा हो चुके हैं, जिन्होंने सज़ा की अवधि पूरी कर ली, पर उच्च न्यायालय में सज़ा के खिलाफ उनकी अपील की सुनवाई शुरू नहीं हुई। यदि पूरे देश की जेलों में बंद ऐसे कैदियों की जानकारी की जाए, तो यह संख्या बहुत बड़ी हो सकती है। इन कैदियों की अपील का क्या नतीजा निकलता, बताया नहीं जा सकता, पर इतना निश्चित है कि किसी कैदी की अपील की सुनवाई शुरू तक नहीं होना, उसे उसके न्यायिक अधिकारों से वंचित करना तो है ही, इससे संपूर्ण न्यायिक प्रणाली की खामियां भी उजागर होती हैं। संभव है कि इनमें से कुछ कैदियों की सज़ा माफ हो जाती या कम हो जाती, क्योंकि उच्च न्यायालय द्वारा निचली अदालतों के फैसलों में बदलाव नयी बात नहीं है।

उपसभापति जी, न्यायालयों, विशेषकर उच्च न्यायालयों पर मुकदमों के बढ़ते दबाव से हम सब परिचित हैं। इसके बावजूद प्रयास होना चाहिए कि न्यायिक प्रणाली के मूल सिद्धांतों तथा न्याय पाने

के नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा हो सके, अन्यथा, देर सवेर हमारी संपूर्ण न्याय व्यवस्था पर से आम लोगों का भरोसा कम होता चला जाएगा, जो न सिर्फ लोकसंघ के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए अशुभ होगा। इस स्थिति में सुधार के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

श्री राजनीति प्रसाद (बिहार): मैं अपने को इस स्पेशल मैशन के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Hema Malini; not present.  
Shri Ram Narayan Sahu.

### Need for Finance Package for Farmers in the Country

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदन का ध्यान केन्द्र सरकार के अंसेवदनशील व्यवहार की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। केन्द्र ने एक लंबे इंतजार के बाद किसानों को राहत देने के लिए एक पैकेज घोषित किया है, वह भी मात्र 4 राज्यों के 31 जिलों में लागू होगा, जिसके लिए सरकार ने केवल 16,978 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं—अर्थात् देश के अन्य राज्यों के पीड़ित किसानों को अपनी समस्या से राहत पाने के लिए बीमारी के लाइलाज होने तक इंतजार करना पड़ेगा, उसके बाद ही उपचार होगा।

महोदय, मैं नमन करता हूँ देश के उस सच्चे सेवक को जिसने जवानों और किसानों के सम्मान में अपना मस्तक झुकाकर कहा था—“जय जवान जय किसान”। संभवतः वर्तमान सरकार की प्राथमिकताओं में किसान अंतिम व्यक्ति है, अन्यथा इस प्रकार की राहत नीति निर्धारित न होती।

सम्माननीय साधियों, मेरा अनुरोध है कि प्यास से तड़पते को पानी पिलाना अच्छी बात है, परन्तु पानी पिलाने के लिए प्यासे को तड़पने तक इंतजार कराना विवेकपूर्ण नहीं है। अतः मेरा अनुरोध है कि सरकार को गरीब किसानों की दयनीय आर्थिक दशा का न्यूनतम मापदंड निर्धारित करना चाहिए और उस मापदंड में जो भी किसान आए, चाहे वह किसी भी राज्य का हो, उसे आर्थिक सहयोग मिलना चाहिए। जब भी गरीब किसान की ऋण माफी की बात आती है, तो बैंक विशेषज्ञ तर्क देते हैं कि ऐसा करने से किसानों में ऋण न चुकाने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। मैं स्मरण कराना चाहता हूँ कि औद्योगिक घरानों की ऋण माफी से उद्योगपतियों में पैसा मारने की प्रवृत्ति नहीं बढ़ी, तो किसान को ही संदेह से क्यों देखा जाता है? आज पूरे भारत में किसानों की हालत खराब है। वह हमारा पेट ही नहीं पालता, बल्कि सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा भी प्रदान करता है। धन्यवाद।

श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश): मैं अपने को इस स्पेशल मैशन के साथ सम्बद्ध करता हूँ।